भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या : *243

जिसका उत्तर 17 दिसंबर, 2025 को दिया जाना है

कोयला गैसीकरण और कोयले-से-रसायन परियोजनाएं

***243. श्री अनिल फिरोजियाः**

श्री कोंडा विश्वेश्वर रेड्डीः

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में चल रही और प्रस्तावित कोयला गैसीकरण और कोयले-से-रसायन परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है और इन्हें कार्यशील बनाने की संभावित समय-सीमा क्या है;

(ख) देश में विशेषकर छत्तीसगढ़ में कोयला गैसीकरण आबंटन नीति के अंतर्गत अब तक कुल कितनी मात्रा में कोयले का आबंटन किया गया है और इससे परियोजना में वास्तविक रूप से कितनी प्रगति हुई है;

(ग) क्या सरकार ने गैसीकरण प्रौद्योगिकियों को अपनाने में तेजी लाने के लिए प्रोत्साहनों अथवा व्यवहार्यता सहायता तंत्रों को अंतिम रूप दे दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) पेट्रोरसायन, मेथनॉल, अमोनिया और अन्य औद्योगिक 'फीडस्टॉक्स' पर आयात निर्भरता को कम करने में कोयला गैसीकरण कार्यक्रम का अनुमानित योगदान कितना है; और

(ङ) क्या सिंगरौली में कोयला गैसीकरण का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कोयला एवं खान मंत्री

(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ड.): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

"कोयला गैसीकरण और कोयले-से-रसायन परियोजनाएं" के संबंध में श्री अनिल फिरोजिया माननीय संसद सदस्य और श्री कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी, माननीय संसद सदस्य द्वारा दिनांक 17.12.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *243 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में उल्लिखित विवरण:

(क) : वर्तमान में, मैसर्स जिंदल स्टील लिमिटेड (जेएसएल) द्वारा अंगुल जिले, ओडिशा में एक प्रचालनात्मक कोयला गैसीकरण परियोजना स्थापित की गई है। सरकार ने कोयला/लिग्नाइट के स्वच्छ उपयोग के लिए कोयला/लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने और रसायनों, पेट्रोरसायनों और उर्वरकों के आयात को प्रतिस्थापित करने के लिए राष्ट्रीय कोयला गैसीकरण मिशन शुरू किया है। पीएसयू के साथ-साथ निजी क्षेत्र द्वारा नई परियोजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं।

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) अन्य केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसयू) के साथ भागीदारी में निम्नलिखित चार कोयला गैसीकरण परियोजनाओं का कार्यान्वयन कर रही है:

1. **तालचेर कोयला-आधारित अमोनिया-यूरिया कॉम्प्लेक्स:** तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल), सीआईएल का एक संयुक्त उद्यम, राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (आरसीएफएल), गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (गेल) और फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एफसीआईएल) कोयला-आधारित अमोनिया-यूरिया कॉम्प्लेक्स स्थापित कर रहा है। वित्त वर्ष 2027-28 में चालू होने की अपेक्षा है।
2. **भारत कोल गैसिफिकेशन एंड केमिकल्स लिमिटेड (सीआईएल और भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड का एक संयुक्त उद्यम)** को लखनपुर, ओडिशा में कोयला गैसीकरण-आधारित अमोनियम नाइट्रेट संयंत्र की स्थापना के लिए निगमित किया गया है। चालू होने की निर्धारित समयावधि वर्ष 2029-30 है।
3. **कोल गैस इंडिया लिमिटेड (सीआईएल और गेल का एक संयुक्त उद्यम)** को बर्धमान, पश्चिम बंगाल में कोयला-से-सिंथेटिक प्राकृतिक गैस संयंत्र स्थापित करने के लिए निगमित किया गया है। चालू होने की निर्धारित समयावधि वर्ष 2029-30 में है।
4. **वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में सीआईएल परियोजना:** चंद्रपुर, महाराष्ट्र में कोयला-से-सिंथेटिक प्राकृतिक गैस परियोजना। चालू होने की निर्धारित समयावधि वर्ष 2029-30 में है।

इसके अलावा, निजी इकाईयों द्वारा निम्नलिखित 4 (चार) कोयला गैसीकरण परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं:

1. **जिंदल स्टील लिमिटेड (जेएसएल):** जेएसएल डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन (डीआरआई) उत्पादन के लिए अंगुल जिले, ओडिशा में एक कोयला गैसीकरण परियोजना स्थापित कर रहा है। कोयला गैसीकरण संयंत्र विकास और उत्पादन समझौते (सीजीपीडीपीए) के अनुसार इसके चालू होने की निर्धारित समयावधि वर्ष 2029-30 है।

2. **ग्रेटा एनर्जी एंड मेटल प्राइवेट लिमिटेड:** जेएसएल कंपनी, डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन (डीआरआई) उत्पादन के लिए भद्रावती, चंद्रपुर, महाराष्ट्र में एक कोयला गैसीकरण परियोजना स्थापित कर रही है। सीजीपीडीपीए के अनुसार इसके चालू होने की निर्धारित समयावधि वर्ष 2029-30 है।

3. **न्यू एरा क्लीनटेक सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड:** कंपनी अमोनियम नाइट्रेट और हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए महाराष्ट्र के चंद्रपुर के भद्रावती में कोयला गैसीकरण परियोजना स्थापित कर रही है। सीजीपीडीपीए के अनुसार इसके चालू होने की निर्धारित समयावधि वर्ष 2029-30 है।

4. **न्यू एरा क्लीनटेक सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड:** कंपनी इथेनॉल के उत्पादन के लिए महाराष्ट्र के चंद्रपुर के भद्रावती में एक डेमंसट्रेशन कोयला गैसीकरण परियोजना स्थापित कर रही है। सीजीपीडीपीए के अनुसार इसके चालू होने की निर्धारित समयावधि वर्ष 2029-30 है।

(ख) : सीआईएल ने अपनी संयुक्त उद्यम कंपनियों को 3.9 मिलियन टन (मि.ट.) के अनंतिम कोयला लिंकेज आवंटित किए हैं। इसके अतिरिक्त, उप-क्षेत्र "सिनगैस के उत्पादन से कोयला गैसीकरण" के तहत गैर-विनियमित क्षेत्र (एनआरएस) लिंकेज नीलामी स्कीम के माध्यम से कोयले की खरीद करने वाले उपभोक्ताओं को कुल 1.45 मि.ट. की मात्रा के लिए आशय पत्र (एलओआई) जारी किए गए हैं। निजी इकाईयों के कोयला गैसीकरण संयंत्र अपनी आवंटित कोयला खानों के साथ-साथ सीआईएल खानों से कोयला लिंकेज द्वारा कोयले की आवश्यकता को पूरा करेंगे। अब तक, छत्तीसगढ़ में कोयला गैसीकरण के लिए कोई कोयला लिंकेज आवंटित नहीं किया गया है।

(ग) : जी, हां। कोयला मंत्रालय ने देश में कोयला/लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को सहायता देने के लिए दिनांक 24.01.2024 को 8500 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ एक वित्तीय प्रोत्साहन स्कीम को मंजूरी दी है। विवरण निम्नानुसार है:

I. श्रेणी-I के तहत, 1,350 करोड़ रुपये का एकमुश्त अनुदान या कैपेक्स का 15%, जो भी कम हो, प्रदान करके परियोजनाओं की सहायता के लिए सरकारी पीएसयू हेतु 4,050 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

II. श्रेणी-II के तहत, 1,000 करोड़ रुपये का एकमुश्त अनुदान या केपेक्स का 15%, जो भी कम हो, प्रदान करके निजी क्षेत्र और सरकारी सार्वजनिक उपक्रमों के लिए 3,850 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

III. श्रेणी- III के तहत, 100 करोड़ रु. का एकमुश्त अनुदान या कैपेक्स का 15%, जो भी कम हो, प्रदान करके डेमंसट्रेशन परियोजनाओं (स्वदेशी प्रौद्योगिकी) और/या लघु पैमाने के उत्पाद पर आधिरित गैसीकरण संयंत्रों के लिए 600 करोड़ रू. का प्रावधान किया गया है।

(घ) : उपरोक्त वित्तीय प्रोत्साहन स्कीम के तहत अनुमोदित परियोजनाओं से कोयला गैसीकरण में अमोनियम नाइट्रेट, प्राकृतिक गैस, इथेनॉल आदि सहित लगभग 16,000 करोड़ रु. के विभिन्न रसायनों के आयात को प्रतिस्थापित करने की क्षमता है।

(ड.) : वर्तमान में, मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में कोई कोयला गैसीकरण प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

****